DR.MALA KUMARI

ASSISTANT PROFESSOR (GUEST

TEACHER)

DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

A.N.D COLLEGE SHAHPUR

PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)

PAPER-2 ,UNIT-9,

ENVIRONMENTAL ISSUES:EFFECT OF WEATHER ON BEHAVIOUR

LECTURE-95

व्यवहार पर मौसम का प्रभाव

EFFECT OF WEATHER ON BEHAVIOUR

मौसम दूसरा अस्थानगत पर्यावरणी कारक है जिसका प्रभाव मनुष्य के व्यवहार पर पड़ता है वह है – मौसम जिसमे तापक्रम (TEMPERATURE),वायु प्रदुषण (AIR POLLUTION),ऋणात्मक आयन (NEGATIVE IONS) ,ओजोन (OZONE) तथा चन्द्र चक्र (LUNAR CYCLES) आदि के व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है |

मौसम में एक महत्वपूर्ण कारक तापक्रम है जिसका मानव व्यवहार पर काफी स्पष्ट प्रभाव पड़ता देखा गया है | अमेरिकन रायट आयोग (1968) तथा गोरेनसन एवं किंग (1970) ने अपने अध्ययन में यह बतलाया है की

अधिकतर असैनिक संघर्ष गर्मी के मौसम में ही होते है |ग्रिफिट तथा विटिक (1971) ने अपने अध्ययन में पाया की प्रयोज्यों को जब गर्म कमरा (93.5˚F) में कार्य करने के लिए कहा गया तो उनमे ठंडे कमरे (73.4˚F) में कार्य करने की तुलना में अधिक आक्रमक व्यवहार होता पाया गया |एंडरसन तथा एंडरसन (1984) ने अपने अध्ययन में दो बड़े अमेरिकन शहरों में गर्मी के दिनों में हुए आक्रमक अपराध का प्रक्षेण किया और पाया की जैसे-जैसे तापक्रम में वृद्धि होती है कुछ आक्रमक अपराध जैसे हत्या तथा बलात्कार में वृद्धि होती पायी गयी | परन्तु कुछ अध्ययनों में यह भी देखा गया है की जब तापक्रम में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है ,तो आक्रामक व्यवहार में वृद्धि होने के बजाय कमी आ जाती है | इन लोगों का मत है की जब अत्यधिक तापक्रम के साथ-ही-साथ कुछ नकारात्मक कारक जैसे अन्य व्यक्तियों द्वारा अधिक असहमति तथा नकारात्मक मूल्यांकन आदि भी उपस्थित होते है ,तो सचमुच में आक्रामकता में कमी आ जाती है| वेल तथा बेरोन का मत है की जब व्यक्ति ऐसी परिस्थिति में अपने आप को घिरा पाता है जहाँ पर्यावरणी कारक अधिक कठोर तथा दमनात्मक हो जाते है तो व्यक्ति वैसे वातावरण में आक्रामक व्यवहार न दिखलाकर उस तरह की परिस्थिति से अपने आप को हटा लेना अधिक उचित समझता है |

वायु प्रदुषण का भी प्रभाव मानव व्यवहार पर काफी पड़ते देखा गया है | वायु प्रदुषण एक ऐसा सर्वव्यापी समस्या है जिसका प्रभाव सार्वजनिक रूप से सभी व्यक्तियों पर पड़ता देखा गया है | वायु प्रदुषण से तात्पर्य वायु में विभिन्न तरह के विषाक्त तत्वों के मिश्रण से होता है | इसके अंतर्गत ओजोन,सल्फर ऑक्साइड , नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा कार्बन मोनोक्साइड की मुख्य भूमिका होती है | वायु प्रदुषण का प्रभाव स्वास्थ्य कार्य निष्पादन तथा सामाजिक व्यवहार पर सर्वाधिक पड़ता देखा गया है |

वायु प्रदुषण का व्यक्ति के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता देखा गया है | कार्बन मोनोक्साइड , सल्फर डाईऑक्साइड आदि की सांद्रता के कारण कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उठ खड़ी होती है |

वायु प्रदुषण का कार्य निष्पादन पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है | कई अध्ययनों में यह देखा गया है की वायु प्रदुषण के कारण वाहन चलाने वाले व्यक्तियों की कार्य-क्षमता में काफी कमी आती है जिसके कारण दुर्घटना की आवृति में वृद्धि हो जाती है |

वायु प्रदुषण का सामाजिक व्यवहार पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है |इवांस तथा जैकोब्स (1982) ने अपने अध्ययन में पाए है की वायु प्रदुषण में वृद्धि होने पर सहायतापरक व्यवहार में कमी तथा आक्रामक व्यवहार में वृद्धि होते पायी जाती है | काटन तथा उनके सहयोगियों (1974) ने अपने अध्ययन में पाया की प्रदुषण से अंतर्वैयक्तिक आकर्षण में भी कमी आ जाती है |

ऋणात्मक आयन का भी प्रभाव व्यक्ति पर पड़ता देखा गया है | रोशनी ,हवा तथा वायु मंडलीय कारकों के कण हवा के अणु (MOLUCULE) धनात्मक एवं ऋणात्मक रूप से आवेशित आयंस में बंट जाते है |मनोवैज्ञानिकों का मत है की वायुमंडलीय बिजली की मात्रा में सामाजिक व्यवहार प्रभावित होता है |सुलमान तथा उनके सहयोगियों (1974) ने अपने अध्ययन के आधार पर यह बतलाया है की वायुमंडल में आयंस के स्तर में वृद्धि होने से आत्महत्या (SUICIDE),औद्योगिक दुर्घटना तथा अन्य दुसरे तरह के अपराध में वृद्धि होती पायी गयी है |

ओजोन का भी प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता देखा गया है |ओजोन धूम –कोहरा का एक विशिष्ट प्रकार है जो औद्योगिक अवशेष तथा मोटर या कार निस्सरणआदि से बनता है | रोटोन तथा फ्रे (1985) ने एक अध्ययन किया जिसमे मिडवेस्टर्न शहर में दो साल की अवधि तक

वायुमंडलीय ओजोन तथा पारिवारिक क्षुब्धता के संबंध का अध्ययन किया| परिणाम में देखा गया है की जब वायुमंडल ओजोन स्तर ऊँचा था तो पारिवारिक क्षुब्धता अधिक पायी गयी तथा ओजोन स्तर निम्न था तो पारिवारिक क्षुब्धता में कमी आ गयी |

कुछ ऐसे अध्ययन हुए है जिसमे चंद्र चक्र का भी प्रभाव व्यवहार पर पड़ता देखा गया है हालांकि इस तरह के अध्ययन की वैधता में असंगतता पायी गयी है |

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है की मानाव व्यवहार पर अस्थानगत कारकों जैसे आवाज तथा मौसम का प्रभाव पड़ता है |